Living the Lotus

Buddhism in Everyday Life

12
2021
VOL. 195

Founder's Reflections

लोगों में विश्वास करने की शक्ति जुटाना

किसी भी चीज से अधिक मेरी सबसे बड़ी खुशी पिछले वर्ष की शांति के लिए छठी विश्व धर्म सभा के उद्घाटन समारोह में भाग लेना था, जो नवंबर 1994 में वेटिकन और इटली के अन्य स्थानों पर आयोजित किया गया था।

जब परम पूज्य पोप जॉन पॉल द्वितीय और अन्य विश्व धर्मगुरु वेटिकन के धर्मसभा हॉल में एकत्रित होते हुए, यह घोषित किया गया कि संसार की चुनौतियों का जवाब देने के लिए उनका दृढ़ संकल्प एक ऐसा अनुभव था, जिसने मेरे मनोभाव को उद्वेलित कर दिया।

चाहे वह सीखना हो, प्रदर्शन कला, मार्शल आर्ट, या खेल, यदि आप एक ही अभ्यास की खोज के माध्यम से चीजों की गहराई में उतरते हैं और सोचते हैं कि मानव होने का क्या मतलब है, जब तक आप मानव स्वभाव को नहीं समझते हैं, आप उस सत्य की खोज करेंगे, जो लागू होता है सभी चीजों पर। जब आप इस सत्य का अनुभव करेंगे, आपकी कठोरता गायब हो जाएगी, और आप एक खुले दिमाग को प्राप्त कर लेंगे, जो आपको किसी भी स्थिति को सर्वोत्तम बनाकर स्वीकार करने की अनुमति देता है।

धार्मिक अभ्यास के मार्ग के साथ भी ऐसा ही है। जब आप अपने विश्वास की शिक्षाओं को उनके मूल तक पहुँचने के लिए पर्याप्त गहराई से खोजते हैं, वह सत्य आपके लिए अपने हृदय के अन्त:करण से लोगों पर विश्वास करना और बिना किसी हिचकिचाहट के किसी के साथ सहयोग करना संभव बना देगा। अगर हम इस शक्ति को लोगों में विश्वास करने के लिए जुटा सकें, तो हम निश्चित रूप से 21वीं सदी में युद्ध के बिना एक शांतिपूर्ण संसार का अनुभव करने में सक्षम होंगे। इसे प्राप्त करने के लिए हमें अपनी शक्ति की सीमा में सब कुछ करना चाहिए।

निक्कयो निवानो, काइसो जुइकान 10 (कोसेइ प्रकाशन, 1997), पीपी.104-105

रिश्शो कोसेईकाई गृहस्थों की संस्था है जिसका पवित्र ग्रन्थ सद्धर्म पुण्डरीक सूत्र एवं अन्य दो लघु सूत्रों का संकलन है। इस संस्था को संस्थापक निक्क्यो निवानो एवं सह-संस्थापक म्योको नागानुमा ने सन् १९३८ ई० में स्थापित किया था। यह उन साधारण स्त्रियों एवं पुरुषों की संस्था है जिन्हें बुद्ध में श्रद्धाविश्वास है तथा जो बुद्ध के उपदेशों के अनुसार चलते हुए अपने आध्यत्मिक जीवन को समृद्ध बनाते हैं।

प्रेसिडेण्ट का दिशानिर्देश निचिको निवानो, के अन्तर्गत हम देश एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तरों पर अन्य सस्थाओं के साथ मिलकर शान्ति एव कल्याण के लिये तत्पर होकर परोपकार के कार्य में सलग्न हैं।

Living the Lotus
Vol. 195 (December 2021)

Senior Editor: Keiichi Akagawa
Editor: Kensuke Osada
Copy Editor: Parmita Shekhar

Living the Lotus is published monthly by Rissho Kosei-kai International, Fumon Media Center, 2-7-1 Wada, Suginami-ku, Tokyo 166-8537, Japan.
TEL: +81-3-5341-1124
FAX: +81-3-5341-1224
Email: living.the.lotus.rk-international@kosei-kai.or.jp

"लिविंग द लोटस: बुद्धिज्म इन एवरीडे लाइफ" का उद्देश्य यह दर्शाना है कि जैसे सरोवर के कीचड़ से निकलकर कमल खिलता है वैसे ही पुण्डरीक सूत्र की शिक्षा का दैनिक जीवन में अनुशरण के प्रयास से हमारा जीवन समृद्ध बनता है, हमारा जीना सार्थक होता है। इसका संस्करण के माध्यम से दुनियाँ में लोगों के दैनिक जीवन में बौद्धधर्म की शिक्षा को सरल बोधगम्य बनाना है।

अपने भीतर के बुद्ध को करीब से सुनें

निचिको निवानो
प्रेसिडेण्ट, रिश्शो कोसेइ काइ

स्वीकृति एवं प्रायश्चित जागरूकता के समान हैं

समेकित त्रिविध पुण्डरीक सूत्र की समाप्ति बोधिसत्व समन्तभद्र समाधि विधि सूत्र के साथ होती है, जो कहता है, "जो लोग अभ्यास करते हैं . . . स्वीकृति एवं प्रायश्चित से शरीर और मन शुद्ध हो जाता है, बहते जल की तरह जो चीजों पर अटका नहीं रहता है।" दूसरे शब्दों में, यदि आप किसी भी स्थिति में स्वीकृति एवं प्रायश्चित को याद करते हैं, तो आप अपने जीवन को एक स्वतंत्र, शुद्ध भावना के साथ जीने में सक्षम होंगे, जैसे कि पानी की लहर। सूत्र आगे कहता है कि स्वीकृति एवं प्रायश्चित अंततः सभी चीजों के वास्तविक स्वरूप के गहन चिंतन की ओर ले जाता है - अर्थात्, भ्रम और आसक्तियों से मुक्त होना और चीजों को वैसे ही देखना जैसेकि वे वास्तव में हैं। हालाँकि, स्वीकृति एवं प्रायश्चित वहाँ कैसे जाता है? मुझे लगता है कि इस बिंदु को समझना थोड़ा मुश्किल है।

इसलिए मैं आपको ज्योतिष में अनुसंधान द्वारा प्रकाशित एक पुस्तक के बारे में बताना चाहता हूँ, जिसे मैं हमेशा अपने बैग में रखता हूँ और अक्सर पढ़ लेता हूँ।

यह छोटी पुस्तक ब्रह्मांड, पृथ्वी, जीवन क्रम और प्राणियों की उत्पत्ति के इतिहास को संक्षेप में दर्शाता है। इस पुस्तक के प्रथम खंड से उद्धृत है: मेरा वर्तमान वासस्थान तथा इसके उपरान्त :

आधुनिक विज्ञान ने सिद्ध कर दिया है कि ब्रह्मांड में निर्मित सितारों में एक हमारी पृथ्वी है। पृथ्वी पर बने समुद्रों से जीवों के जीवन का उदय हुआ है और मनुष्य इन जीवों के एक महान विविधता के विकास से पैदा हुआ है। ब्रह्मांड, पृथ्वी और जीवन के उद्भव का इतिहास हमारे अन्दर समाया हुआ है।

हर बार जब मैं इस पुस्तक को देखता हूँ, तो मैं अपने आप से कहता हूँ कि हम अभी इस इतिहास के कारण यहाँ हैं और मनुष्य के अस्तित्व और जीवन पर आश्चर्य करते हैं। साथ ही, मैं इस शानदार इतिहास के बारे में सोचता हूँ, जिसमें अस्तित्व के सभी रूपों ने एक साथ एक महान जीवन शक्ति का पोषण किया है और इसे अथाह विशाल युगों में पारित किया है। विशेष रूप से जब मैं मानसिक रूप से किसी चीज को संसाधित करने के लिए संघर्ष कर रहा होता हूँ, तो मैं स्वयं को याद दिलाता हूँ कि मैं इस महान जीवन

शक्ति में सिर्फ एक इकाई हूँ, और अचानक मेरे क्षितिज का विस्तार होता है और मैं बेहतर अनुभव करता हूँ।

दैनिक जीवन में हम देखते हैं कि लोग और घटनाएँ सभी अलग-अलग हैं, लेकिन एक ऐसा संसार है जिसमें पूर्ण सत्य सार्वभौमिक रूप से समान है और बिना किसी भेदभाव के है - इसलिए उस सत्य को समझना, अपने आप को प्रतिबिंबित करना है और स्वीकृति और प्रायश्चित करना बहुत ही जागृतावस्था प्रतीत होता है, जो हमारे शरीर और मन को शुद्ध करता है।

पुण्डरीक सूत्र और रिश्शो कोसेइ काइ की सच्ची आत्मा

इस बिंदु तक मैं स्वीकृति और प्रायश्चित को एक इकाई के रूप में चर्चा करता हूँ। कुछ लोग सोच सकते हैं कि आध्यात्मिक अनुभूति और स्वीकृति एवं प्रायश्चित का अर्थ दिखाने के लोकप्रिय विचार से कुछ अलग है। बेशक, धार्मिक लोगों द्वारा अभ्यास की जाने वाली स्वीकृति एवं पश्चाताप के कारण मजबूत ताकत आ सकती है, लेकिन मुझे लगता है कि पश्चाताप दिखाने का लोकप्रिय विचार भी सुधार और आगे बढ़ने का एक रूप है। इसलिए, मैं पश्चाताप को अनिवार्य रूप से स्वीकृति एवं प्रायश्चित के अभ्यास के समान ही मानता हूँ।

धार्मिक अभ्यास के संदर्भ में बोलते हुए, हालाँकि, हम अपने भीतर के बुद्ध से जागरूकता की पुकार के रूप में अपने हृदय में स्वीकृति एवं प्रायश्चित की भावना की व्याख्या कर सकते हैं। बोधिसत्त्व समन्तभद्र पर चिंतन करने के लिए सूत्र की एक पंक्ति जो स्वीकृति और प्रायश्चित का आग्रह करती है, "बुद्ध पर अपने मन को केंद्रित करें", हमें यह भी सिखाती है कि जब हम क्रोध या लालच में देने वाले होते हैं, तो हमें अपने भीतर की आवाज सुननी चाहिए, बुद्ध हमें अंदर के बुद्ध पर ध्यान केंद्रित करने और अपने वास्तविक स्वरूप में लौटने के लिए कह रहे हैं। कभी-कभी, अपने दिमाग को ब्रह्मांड के विशाल विस्तार में भटकने दें और पृथ्वी और जीवन के इतिहास के बारे में सोचें। इस बारे में सोचें कि ब्रह्मांड और इतिहास के इस विशाल विस्तार के बीच मनुष्य और आप स्वयं के अस्तित्व का क्या अर्थ है। फिर, यदि आप अपने भीतर के बुद्ध की ओर मुड़ें और ध्यान से सुनें कि वह आवाज आपको क्या बताती है, तो मुझे लगता है कि आप एक बेहतर जीवन जीने का मन बना लेंगे। उसके बाद, आपको केवल उस मन को अभ्यास में लाने की आवश्यकता है।

निचिरेन (1222-82) ने कहा, "शाक्यमुनि की आजीवन शिक्षा का मूल पुण्डरीक सूत्र है और पुण्डरीक सूत्र के अभ्यास का मूल 20. बोधिसत्व सदाअपरिभूत परिवर्त में पाया जाता है।" रिश्शो कोसेइ काइ के सदस्य जिस सूत्र में विश्वास करते हैं, वह समेकित त्रिविध पुण्डरीक सूत्र है, और यही कारण है कि संस्थापक निवानो ने हमें दूसरों के सामने श्रद्धापूर्वक अपने हाथों को एक साथ रखने की प्रथा को महत्व देने के लिए प्रेरित किया, क्योंकि उन्होंने स्वयं एवं बोधिसत्व को लिया जो मानव के लिए एक मॉडल के रूप में बोधिसत्त्व सदाअपरिभूत को लिया है। हम यह भी कह सकते हैं कि यह हमारे अपने शारीरिक कार्यों के माध्यम से प्रदर्शित करने का सबसे परिचित अभ्यास है, स्वीकृति एवं प्रायश्चित का अभ्यास ही एक जागृति है।

मेरे घर में, संस्थापक हर दिन बुद्ध की एक छवि का सम्मान करते थे, जिसमें हथेलियों को एक साथ श्रद्धा से दबाया जाता था। वह बुद्ध आज भी वहीं हैं, हर जगह लोगों की खुशी के लिए प्रार्थना कर रहे हैं।

From *Kosei*, December 2021.

कॉमिक्स के माध्यम से रिश्शो कोसेइ काइ का परिचय

संस्थापक का जीवन और रिश्शो कोसेइ काइ का इतिहास

सह-संस्थापक के साथ मुठभेड़

संस्थापक ने दूध वितरण की दुकान इस आधार पर खोली थी कि इससे उन्हें पुण्डरीक सूत्र की शिक्षा के प्रसार के लिए अधिक खाली समय मिलेगा।

उनका एक ग्राहक मासा नागानुमा थी, जो रिश्शो कोसेइ काइ की सह-संस्थापक हुई।रिश्शो कोसेइ काइ में मायोको सेन्सेइ (आचार्य) के नाम से जाना गया। वह एक छोटा व्यवसाय भी चलाती थी, गर्मियों में बर्फ बेचती थी और सर्दियों में शकरकंद को पकाती थी, लेकिन दुर्भाग्य से उनका स्वास्थ्य खराब था।

जैसाकि संस्थापक ने उन्हें दूध देना जारी रखा, उन्हें पता चला कि वे लंबे समय से बीमार है, इसलिए उन्होंने उन्हें पूर्वजों की प्रशंसा करने का महत्व सिखाया। इससे उन्हें बुद्ध की शिक्षा का सामना करना पड़ा।

आखिरकार, संस्थापक ने उनके साथ सह-संस्थापक के रूप में रिश्शो कोसेइ काइ को स्थापना की और शिक्षा को कई लोगों तक पहुँचाया।

1

2

3

4

5

क्या आपको पता था?

संस्थापक ने अपनी अचार की दुकान बंद कर दी और दूध की दुकान खोल दी, क्योंकि सुबह और शाम दूध वितरण ने पुण्डरीक सूत्र के अध्ययन और धर्म प्रसार के लिए शेष दिन खाली मिल गया।

* इस सामग्री का कोई भी पुनरुत्पादन या पुनर्प्रकाशन व्यक्तिगत, गैर-व्यावसायिक और सूचनात्मक उपयोग के लिए पुनरुत्पादन के अलावा निषिद्ध है।

रिश्शो कोसेइ काइ की नींव पड़ी

रिश्शो कोसेइ काइ की स्थापना 5 मार्च 1938 को हुई । संगठन का मूल नाम "दाई-निप्पोन रिश्शो कोसेइ काइ" था। 1960 में, संगठन का नाम बदलकर "रिश्शो कोसेइ काइ" कर दिया गया।

संगठन का प्रारंभ तीस से कम सदस्यों के साथ हुआ, जिसका मुख्यालय संस्थापक के घर में था, जहाँ से वे दूध की दुकान भी चलाते थे।

संस्थापक प्रात: चार बजे दूध पहुँचाना शुरू करते थे। बाद में दिन में, वह धर्म की व्याख्या करने के लिए प्रत्येक सदस्य के घर जाते थे। शाम को फिर से दूध देने के बाद, वह उन सदस्यों से मिलने जाते जिन्हें उनके मार्गदर्शन की आवश्यकता होती थी या जो उनके मार्गदर्शन के लिए उनसे मिलने आते थे। यह उसकी रोज की दिनचर्या थी।

क्या आपको पता था?

रिश्शो कोसेइ काइ के "रिश्शो" का अर्थ है सच्चे धर्म की शिक्षा को अपने हृदय और मन में स्थापित करना; "कोसेइ" का अर्थ है कई लोगों के साथ बातचीत कर एक साथ सीखने और एक दूसरे को प्रोत्साहित करने के माध्यम से स्वयं को परिपूर्ण करने की इच्छा।

* इस सामग्री का कोई भी पुनरुत्पादन या पुनर्प्रकाशन व्यक्तिगत, गैर-व्यावसायिक और सूचनात्मक उपयोग के लिए पुनरुत्पादन के अलावा निषिद्ध है।

Director's Column

स्वीकृति एवं प्रायश्चित का स्थापित अभ्यास

रेवरेन्ट केइइची आकागावा
निदेशक, रिश्शो कोसेइ काइ इन्टरनेशनल

इस महीने के अपने संदेश में प्रेसिडेण्ट निचिको निवानो ने बोधिसत्व समन्तभद्र के समाधि विधि सूत्र पर अपनी चर्चा जारी रखी है। मुझे उम्मीद है कि हर कोई कृतज्ञता के साथ संदेश का स्वाद लेगा।

अपने संदेश के प्रथम अर्ध भाग में प्रेसिडेण्ट ने स्वीकृति एवं प्रायश्चित के सही अर्थ को स्पष्ट किया है। वे दूसरे अर्ध भाग में बोधिसत्व सदाअपरिभूत, जो स्वीकृति एवं प्रायश्चित के एक पहचान का उदाहरण है, उनकी मनोवृति हमें बोधिसत्व मार्ग का अभ्यास करने के लिए प्रोत्साहित करता है, अर्थात् हर किसी में बुद्ध प्रकृति का सम्मान करना है।

प्रेसिडेण्ट निवानो का विचार है कि स्वीकृति एवं प्रायश्चित का अर्थ है सभी चीजों के वास्तविक स्वरूप पर गहराई से विचार करना और स्वयं को भ्रम और आसक्तियों से मुक्त करना और चीजों को वैसे ही देखना जैसा वे वास्तव में हैं। हालाँकि, सामान्य प्राणी के लिए, चीजों को जैसे वे हैं, उन्हें वैसे ही देखना, उतना आसान नहीं है जितना लगता है।

इसलिए प्रेसिडेण्ट अपने स्वयं की जागरूकता के अनुभव को एक ज्योतिष की पुस्तक का उल्लेख करते हुए साझा करते हैं, जिसे वे हमेशा उसे अपने बैग में रखते हैं और अक्सर उसे देखते हैं। उनका कहना है कि जब भी वे ब्रह्मांड की उत्पत्ति और पृथ्वी, जीवन का स्वरूप और मानव प्राणियों का शानदार इतिहास की व्याख्या करने वाले उस पुस्तक को देखते हैं, तो वे अपनी जागरूकता को नवीनीकृत करते हैं। उनका अपना जीवन इतिहास के इस विशाल विस्तार का एक हिस्सा है और वे ब्रह्मांड में सभी चीजों से जुड़े है। ऐसा करने से, वे बेहतर अनुभव करते हैं और अपने मन और शरीर को शुद्ध पाते हैं।

अभी, क्या आप अपने "आंतरिक बुद्ध" की आवाज सुन सकते हैं, जो आपसे बात कर रहे हैं? आइए हम अपने हृदय की आवाज को ध्यान से सुनें, बुद्ध प्रकृति की पूजा करने का अभ्यास, हमें सुनने में सक्षम करेगा।

We welcome comments on our newsletter Living the Lotus: living.the.lotus.rk-international@kosei-kai.or.jp

Rissho Kosei-kai: A Global Buddhist Movement

Rissho Kosei-kai Buddhist Church of Hawaii
2280 Auhuhu Street, Pearl City, HI 96782, USA
TEL: 1-808-455-3212 FAX: 1-808-455-4633
Email: sangha@rkhawaii.org URL: http://www.rkhawaii.org

Rissho Kosei-kai Maui Dharma Center
1809 Nani Street, Wailuku, HI 96793, USA
TEL: 1-808-242-6175 FAX: 1-808-244-4625

Rissho Kosei-kai Kona Dharma Center
73-4592 Mamalahoa Highway, Kailua-Kona, HI 96740, USA
TEL: 1-808-325-0015 FAX: 1-808-333-5537

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Los Angeles
2707 East First Street, Los Angeles, CA 90033, USA
POBox 33636, CA 90033, USA
TEL: 1-323-269-4741 FAX: 1-323-269-4567
Email: rk-la@sbcglobal.net URL: http://www.rkina.org/losangeles.html

Please contact Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Los Angeles
Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Arizona
Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Colorado
Rissho Kosei-kai Buddhist Center of San Diego
Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Las Vegas
Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Dallas

Rissho Kosei-kai of San Francisco
1031 Valencia Way, Pacifica, CA 94044, USA
POBox 778, Pacifica, CA 94044, USA
TEL: 1-650-359-6951 Email: info@rksf.org

Please contact Rissho Kosei-kai of San Francisco
Rissho Kosei-kai of Sacramento
Rissho Kosei-kai of San Jose

Rissho Kosei-kai of New York
320 East 39th Street, New York, NY 10016, USA
TEL: 1-212-867-5677 Email: rkny39@gmail.com URL: http://rk-ny.org

Rissho Kosei-kai of Chicago
1 West Euclid Ave., Mt. Prospect, IL 60056, USA
TEL: 1-773-842-5654
Email: murakami4838@aol.com URL: http://rkchi.org

Rissho Kosei-kai of Fort Myers
URL: http://www.rkftmyersbuddhism.org

Rissho Kosei-kai Dharma Center of Oklahoma
2745 N.W. 40th St., Oklahoma City, OK 73112, USA
POBox 57138, Oklahoma City, OK 73157, USA
TEL: 1-405-943-5030 FAX: 1-405-943-5303
Email: rkokdc@gmail.com URL: http://www.rkok-dharmacenter.org

Rissho Kosei-kai Dharma Center of Denver
1255 Galapago St. #809 Denver, CO 80204, USA
TEL: 1-303-446-0792

Rissho Kosei-kai Dharma Center of Dayton
617 Kling Drive, Dayton, OH 45419, USA
URL: http://www.rkina-dayton.com

The Buddhist Center Rissho Kosei-kai International of North America (RKINA)
2707 East First St., Suite #1, Los Angeles, CA 90033, USA
TEL: 1-323-262-4430 FAX: 1-323-269-4567
Email: dharmasa@rksabuddhistcenter.org
URL: http://rksabuddhistcenter.org

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of San Antonio
(Address) 6083 Babcock Road, San Antonio, TX 78240, USA
(Mail) POBox 692148, San Antonio, TX 78249, USA
TEL: 1-210-558-4430 FAX: 1-210-696-7745
Email: dharmasanantonio@gmail.com
URL: http://www.rkina.org/sanantonio.html

Rissho Kosei-kai of Seattle's Buddhist Learning Center
28621 Pacific Highway South, Federal Way, WA 98003, USA
TEL: 1-253-945-0024 Email: rkseattlewashington@gmail.com
URL: http://buddhistlearningcenter.org

Rissho Kosei-kai of Vancouver
Please contact RKINA

Risho Kossei-kai do Brasil
Rua Dr. José Estefno 40, Vila Mariana, São Paulo-SP, CEP 04116-060, Brasil
TEL: 55-11-5549-4446, 55-11-5573-8377
Email: risho@rkk.org.br URL: http://www.rkk.org.br

Risho Kossei-kai de Mogi das Cruzes
Av. Ipiranga 1575-Ap 1, Mogi das Cruzes-SP, CEP 08730-000, Brasil

在家佛教韓国立正佼成会
〒 04420 大韓民国 SEOUL 特別市龍山區漢南大路 8 路 6-3
6-3, 8 gil Hannamdaero Yongsan gu, Seoul, 04420, Republic of Korea
TEL: 82-2-796-5571 FAX: 82-2-796-1696

在家佛教韓国立正佼成会釜山支部
〒 48460 大韓民国釜山廣域市南區水營路 174, 3F
3F, 174 Suyoung ro, Nam gu, Busan, 48460, Republic of Korea
TEL: 82-51-643-5571 FAX: 82-51-643-5572

社團法人在家佛教立正佼成會
台湾台北市中正區衡陽路 10 號富群資訊大厦 4 樓
4F, No. 10, Hengyang Road, Jhongjheng District, Taipei City 100, Taiwan
TEL: 886-2-2381-1632, 886-2-2381-1633 FAX: 886-2-2331-3433

台南市在家佛教立正佼成會
台湾台南市東区崇明 23 街 45 號
No. 45, Chongming 23rd Street, East District, Tainan City 701, Taiwan
TEL: 886-6-289-1478 FAX: 886-6-289-1488
Email: koseikaitainan@gmail.com

Rissho Kosei-kai South Asia Division
Thai Rissho Friendship Foundation
201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkapi, Huaykhwang, Bangkok 10310, Thailand
TEL: 66-2-716-8141 FAX: 66-2-716-8218

Rissho Kosei-kai of Kathmandu
Ward No. 3, Jhamsikhel, Sanepa-1, Lalitpur, Kathmandu, Nepal

Rissho Kosei-kai of Kolkata
E-243 B. P. Township, P. O. Panchasayar, Kolkata 700094, India

Rissho Kosei-kai of Kolkata North
AE/D/12 Arjunpur East, Teghoria, Kolkata 700059,
West Bengal, India

Rissho Kosei-kai of Bodhgaya Dharma Center
Ambedkar Nagar, West Police Line Road, Rumpur, Gaya-823001,
Bihar, India

Rissho Kosei-kai of Patna Dharma Center
Please contact Rissho Kosei-kai of Kolkata

Rissho Kosei-kai of Central Delhi
77 Basement D.D.A. Site No. 1, New Rajinder Nagar,
New Delhi 110060, India

Rissho Kosei-kai of Singapore
Please contact Rissho Kosei-kai International

Rissho Kosei-kai of Phnom Penh
W.C. 73, Toul Sampaov Village, Sangkat Toul Sangke, Khan Reouseykeo,
Phnom Penh, Cambodia

RKISA Rissho Kosei-kai International of South Asia
Thai Rissho Friendship Foundation
201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkapi, Huaykhwang, Bangkok 10310, Thailand
TEL: 66-2-716-8141 FAX: 66-2-716-8218

Rissho Kosei-kai of Bangkok
Thai Rissho Friendship Foundation
201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkapi, Huaykhwang, Bangkok 10310, Thailand
TEL: 66-2-716-8216 FAX: 66-2-716-8218 Email: info.thairissho@gmail.com

Rissho Kosei Dhamma Foundation
No. 628-A, Station Road, Hunupitiya, Wattala, Sri Lanka
TEL: 94-11-2982406 FAX: 94-11-2982405

Rissho Kosei-kai of Polonnaruwa
Please contact Rissho Kosei Dhamma Foundation

Rissho Kosei-kai Bangladesh
85/A Chanmari Road, Lalkhan Bazar, Chittagong, Bangladesh
TEL: 880-2-41360470

Rissho Kosei-kai Mayani
Mayani Barua Para, Mirsarai, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Damdama
Damdama Barua Para, Mirsarai, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Satbaria
Village: Satbaria Bepari Para, Chandanaih, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Chendhirpuni
Village: Chendhirpuni, P.O.: Adhunogar, P.S.: Lohagara, Chittagong,
Bangladesh

Rissho Kosei-kai Raozan
Dakkhin Para, Ramzan Ali Hat, Raozan, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Laksham
Village: Dhupchor, Laksham, Comilla, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Dhaka
408/8 DOSH, Road No 7 (West), Baridhara, Dhaka, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Cox's Bazar
Ume Burmize Market, Tekpara, Sadar, Cox's Bazar, Bangladesh

Please contact Rissho Kosei-kai Bangladesh
Rissho Kosei-kai Patiya
Rissho Kosei-kai Ramu
Rissho Kosei-kai Aburkhiln

Buddiyskiy khram "Lotos"
4 Gruzinski Alley, Yuzhno-Sakhalinsk 693005, Russia
TEL: 7-4242-77-05-14

Rissho Kosei-kai of Hong Kong
Flat D, 5/F, Kiu Hing Mansion, 14 King's Road, North Point, Hong Kong, China

Rissho Kosei-kai Friends in Shanghai

Rissho Kosei-kai of Ulaanbaatar
(Address) 15F Express Tower, Peace avenue, khoroo-1, Chingeltei district,
Ulaanbaatar 15160, Mongolia
(Mail) POBox 1364, Ulaanbaatar-15160, Mongolia
TEL: 976-70006960 Email: rkkmongolia@yahoo.co.jp

Rissho Kosei-kai of Erdenet
Please contact Rissho Kosei-kai International

Rissho Kosei-kai di Roma
Via Torino, 29, 00184 Roma, Italia
TEL/FAX: 39-06-48913949 Email: roma@rk-euro.org

Please contact Rissho Kosei-kai di Rome
Rissho Kosei-kai of Paris
Rissho Kosei-kai of Venezia

Rissho Kosei-kai of the UK
29 Ashbourne Road, London W5 3ED, UK
TEL: 44-20-8933-3247 Email: info@rkuk.org URL: https://www.rkuk.org
Facebook: https://www.facebook.com/rkuk.official
Twitter: https://twitter.com/rkuk_official
Instagram: https://www.instagram.com/rkuk_official

Rissho Kosei-kai International Buddhist Congregation (IBC)
166-8537 東京都杉並区和田 2-7-1 普門メディアセンター 3F
Fumon Media Center 3F, 2-7-1 Wada, Suginami-ku, Tokyo 166-8537, Japan
TEL: 03-5341-1230 FAX: 03-5341-1224 URL: http://www.ibc-rk.org

Published by Rissho Kosei-kai International